

कर दिल साफ पाप मत राखो भजन लिरिक्स



कर दिल साफ पाप मत राखो,

दोहा – पापी कदेनी सुधरे,
सौ साधो के संग,
अरे मूंज बिजोई गंग में,
वहा रही तंग री तंग।

कर दिल साफ पाप मत राखो,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।bd।

अरे सत्त रा वचन सुनो सतवादीयो,
सत्त रा वचन सुनो सतवादीयो,
केवे विरद भगती का ए हा,
अरे सत्त री नाव नजर पर रखना,
सत्त री नाव नजर पर रखना,
नैन जडे मुक्ति रा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।bd।

खमीया अंग राखो आतम मे,
खमीया अंग राखो आतम मे,
नीरज लक्ष्मण धरती का ए हा,
दिल दरीयाव सायर वाली लक्ष्मी,
दिल दरीयाव सायर वाली लक्ष्मी,
रेना चील वतीका रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सतवंती नार पति धर्म पाले,
सतवंती नार पति धर्म पाले,
पाले वचन पति का ए हा,
पति री फूट कदेनी हैरे,
पति री फूट कदेनी हैरे,
यह है काम सती का रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।bd।

अरे तीन दोष थारा तन का बोले,
अरे तीन दोष थारा तन का बोले,
तीन दोष है मन का ए हा,
चार दोष वचन का बोले,
चार दोष वचन का बोले,
ओर दोष काईका रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।bd।

रामानंद गुरु पूरा मिलीया,
रामानंद गुरु पूरा मिलीया,
दिया शब्द टक सारा ए हा,
कहत कबीर सुनो भई संतो,
कहत कबीर सुनो भई संतो,
अमर लोक हराना रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।bd।



कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा,
अरे कर दिल साफ पाप मत राखों,
कर दिल साफ पाप मत राखों,
दोष न लागे तीखा रे संतो,
केवु शब्द भगती का ए हा।

गायक – प्रकाश माली जी ।

प्रेषक – मनीष सीरवी

9640557818